दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार, 30 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 211

महत्वपूर्ण एवं खास

केरल में सड़क हादसा, एक घोड़ा की मौत, दो घायल

पलक्कड़ (आरएनएस)। जंगली हाथियों की आवाज सुनकर घुड़सवारी अकादमी से भागे सात घोड़ों में से तीन यहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की चपेट में आ गए, जिसके कारण एक की मौत हो गयी और दो घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि हाथी की दहाड़ सुनने के बाद भयभीत घोड़े सडक़ पर आए और त्रिशूर तथा पलक्कड़ जिलों के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर मन्नुथी-वडक्कनचेरी से लगे कुथिरन सुरंग के पास वनियामपारा और मेलेचुंगथ में बीती रात वाहनों की चपेट में आ गए। घटना में लॉरी की चपेट में आने से एक घोड़े की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल यात्री भी घायल हो गया, जिसे तिरिसूर सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य चार घोड़ों को जनता की मदद से बचाया गया और उन्हें वापस घुड़सवारी अकादमी में लाया गया, जो पीची जलाशय के पास स्थित है। यह अकादमी कुन्नुमपुरम बाबू का है।

भारत में नहीं दिखाई देगा आंशिक सूर्यग्रहण

उज्जैन (आरएनएस)। इस वर्ष का पहला आंशिक सूर्य ग्रहण कल 30 अप्रैल को है, लेकिन यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। यहां स्थित प्राचीनतम वेधशाला के अधीक्षक रामप्रकाश गुप्त ने आज यहां बताया कि प्रतिवर्ष होने वाली खगोलीय घटना के तहत इस वर्ष चार ग्रहण में से दो चंद्र ग्रहण व दो सूर्य ग्रहण होंगे। उन्होंने बताया कि यह ग्रहण रात्रि 00.15 से प्रारंभ होगा और इसका मध्यकाल रात्रि 02 बजकर 11 मिनट 02 सेकंड पर होगा तथा तडक़े 04 बजकर 07 मिनट 05 सेकंड पर समाप्त होगा और यह ग्रहण दक्षिणी अमेरिका का दक्षिणी भाग, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी प्रशांत महासागर एवं दक्षिणी अटलांटिका महासागर में दिखाई देगा।

कुए में गिरी कार, दो बच्चे सहित पिता की मौत

सागर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सागर जिले में एक कुआं में कार के गिरने से उसमें सवार तीन लोगों की पानी में डुबने से मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि मोतीनगर थाना क्षेत्र के सागर-भोपाल रोड पर गोविंद नगर में बीती रात कुआं में कार गिरने से पिता सहित दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई हैं। शासकीय माध्यमिक शाला शिकारपुर राहतगढ में पदस्थ शिक्षक हिमांशु तिवारी अपने दो बच्चों बिट्टू (12) और ध्रुव (9) को लेकर घुमाने के लिये निकले थे। लौटते समय घर के समीप ही बिना मुंडेर के कुएं के पास कार रिवर्स करते समय कार कुएं में जा गिरी। जिससे तीनों लोगों की पानी में डूबने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने देर रात तीनों शव कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है।

गहलोत ने किया मोदी से महंगाई के मुद्दे पर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करने का आग्रह

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से महंगाई के मुद्दे पर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर सबकी बात सुनने का अनुरोध किया है। गहलोत ने बीती रात सोशल मीडिया के माध्यम से यह अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोविड को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक की। जिसमें सिर्फ पांच मुख्यमंत्रियों को अपनी बात रखने का मौका मिला और आखिर में स्वयं प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अचानक से महंगाई और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती हुई कीमतों का जिक्र कर दिया और इसका ठीकरा गैर-भाजपा शासित राज्यों पर फोडऩे का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि पूरे देशभर में महंगाई से जनता त्रस्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक नीतियां मुख्य तौर पर केन्द्र सरकार द्वारा ही निर्मित एवं संचालित होती हैं परन्तु इसका असर राज्यों पर ही होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से निवेदन किया कि वह महंगाई के मुद्दे पर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करें एवं सभी की बात सुनें। उन्होंने कहा कि इससे राज्यों को भी अपना पक्ष रखने का मौका मिलेगा और उनका दृष्टिकोण भी केन्द्र सरकार को पता लग सकेगा। उन्होंने कहा महंगाई के साथ ही केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं, जीएसटी, जल जीवन मिशन आदि समेत अनेक गंभीर मुद्दों पर सभी राज्यों का केन्द्र सरकार से संवाद आवश्यक है। इसलिए मैं श्री नरेन्द्र मोदी से अपील करूंगा कि राज्यों के हितों एवं देशहित के मुद्दों को लेकर आप सभी मुख्यमंत्रियों से बैठक करें जिससे इनका समाधान निकालकर आमजन को अधिक से अधिक राहत प्रदान की जा सके।

पीएम ने सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया सम्मलेन 2022 का उद्घाटन किया और आज उद्घाटन सत्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपना संबोधन साझा किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, सेमीकंडक्टर उद्योग के प्रतिनिधि, निवेशक, शिक्षाविद, राजनयिक कोर के सदस्य व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने सभी का स्वागत किया और इस बात पर खुशी व्यक्त की कि सम्मेलन का आयोजन भारत में हो रहा है। उन्होंने आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और कहा, वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं के प्रमुख भागीदारों में से एक के रूप में भारत को स्थापित करना हमारा सामूहिक उद्देश्य है। हम हाई-टेक, उच्च गुणवत्ता और उच्च विश्वसनीयता के सिद्धांत के आधार पर इस दिशा में काम करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में रेखांकित करने के लिए छह कारणों का वर्णन किया।

सबसे पहले, भारत 1.3 बिलियन से अधिक भारतीयों को जोडऩे के लिए एक डिजिटल अवसंरचना तैयार कर रहा है। भारत ने हाल ही में वित्तीय समावेशन, बैंकिंग और डिजिटल भुगतान आदि क्षेत्रों में जो प्रगति की है, उसके बारे में प्रधानमंत्री ने कहा, हम डिजिटल तकनीक का उपयोग स्वास्थ्य और कल्याण से लेकर समावेश और सशक्तिकरण तक, शासन के सभी क्षेत्रों में जीवन को बदलने के लिए कर रहे हैं।

दूसरा, प्रधानमंत्री ने कहा कि 5जी, आईओटी और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं में विकास के साथ छह लाख गांवों को ब्रॉडबैंड से जोडऩे जैसे कदमों के जरिये, भारत अगली प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

तीसरा, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ मजबूत आर्थिक विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। भारत की सेमीकंडक्टर की अपनी खपत 2026 तक 80 बिलियन डॉलर और 2030 तक 110 बिलियन डॉलर पार कर जाने की उम्मीद है।

चौथा, भारत ने व्यवसाय में सुगमता को और आसान बनाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। प्रधानमंत्री ने 25,000 से अधिक अनुपालन को ख़त्म करने, लाइसेंस के स्वत:-नवीनीकरण की ओर आगे बढऩे, डिजिटलीकरण के माध्यम से नियामक ढांचे में पारदर्शिता और गति एवं दुनिया में सबसे अनुकूल कराधान संरचनाओं में से एक जैसे उपायों के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पांचवां कारण है - 21वीं सदी की जरूरतों के लिए युवा भारतीयों के कौशल विकास और प्रशिक्षण में भारी निवेश। उन्होंने कहा, हमारे पास सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए असाधारण प्रतिभाएं हैं, जो दुनिया के सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियरों के 20 प्रतिशत के बराबर हैं। शीर्ष 25 सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों में से लगभग सभी के हमारे देश में अपने डिजाइन या आर एंड डी केंद्र हैं।''

छठा, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने विनिर्माण क्षेत्र को बदलने की दिशा में कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब मानवता सदी में एक बार आने वाली महामारी का मुकाबला कर रही थी, भारत न केवल अपने लोगों के स्वास्थ्य में सुधार कर रहा था, बल्कि अपनी अर्थव्यवस्था की स्थिति को भी बेहतर बना रहा था।'' प्रधानमंत्री मोदी ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में चर्चा की, जो 14 प्रमुख क्षेत्रों में 26 बिलियन डॉलर से अधिक की प्रोत्साहन धनराशि की पेशकश करते हैं। अगले 5 वर्षों में, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में रिकॉर्ड वृद्धि होने की उम्मीद है। मोदी ने दर्शकों को हाल ही में घोषित सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के बारे में भी बताया, जिसकी कुल परिव्यय धनराशि 10 बिलियन डॉलर से अधिक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले विनिर्माण और डिजाइन इकोसिस्टम में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

प्रधानमंत्री ने सरकारी समर्थन की आवश्यकता को स्वीकार किया और प्रतिनिधियों को व्यवसाय के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने में सरकार के सर्वोत्तम प्रयासों का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, जब उद्योग जगत कड़ी मेहनत करता है, तो सरकार को और भी कड़ी मेहनत करनी चाहिए। नई विश्व व्यवस्था के निर्माण के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें उन अवसरों का उपयोग करना चाहिए, जो उभर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निष्कर्ष के तौर पर कहा, हमने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत की है, ताकि विकास को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण का निर्माण किया जा सके। भारत में तकनीक प्राप्ति और जोखिम लेने की अदम्य इच्छा है। हमने एक सहायक नीति वातावरण के माध्यम से जहां तक संभव हो सका है, सभी बातों को आपके पक्ष में किया है; हमने दिखाया है कि भारत अपने कार्य, अपने कारोबार के प्रति गंभीर है।

कोरोना के दौरान जान गंवाने वाली कोरोना योद्धा के परिवार को केजरीवाल सरकार ने दीया 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना ड्यूटी पर मुस्तैद लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में काम करने वाली सफाई-कर्मचारी कमलेश लोगों की सेवा करते हुए स्वयं संक्रमित हो गई और अपनी जान गँवा दी। कोरोना योद्धा कमलेश के इस बलिदान के लिए केजरीवाल सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि दी। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिवंगत के घर जाकर उनके परिवार को 1 करोड़ रूपये का चेक सौंपा। श्री सिसोदिया ने कहा कि देश इन वीर कोरोना योद्धाओं के बलिदान को सलाम करता है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने शहीद कोरोना योद्धाओं के परिवारों का ख्याल रखने की प्रतिज्ञा ली और सदैव इनके परिवार के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर खड़ी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी पूरी मानवता के लिए एक भयानक संकट थी। इस संकट ने सभी के मन में डर भय पैदा कर दिया था लेकिन हमारे कोरोना योद्धाओं ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए दिल्ली को इस संकट से उबारने का काम किया7 डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, सहायक स्टाफ, सफाई-कर्मचारियों सहित हजारों कोरोना योद्धाओं ने दिन-रात काम करते हुए इस महामारी से लडऩे का काम किया। और कई कोरोना योद्धा लोगों की सेवा करते हुए शहीद हो गए। सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार हमेशा कोरोना योद्धाओं के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। दिल्ली सरकार की ये योजना कोरोना योद्धाओं के परिवार को ये आत्मविश्वास देती है कि सरकार और समाज हमेशा उनके साथ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना योद्धाओं के जज़्बे को सलाम करती है। बेशक इस राशि से दिवंगत कोरोना योद्धा के परिवार के नुकसान की पूर्ति तो नहीं की जा सकती लेकिन उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया ज़रूर मिलेगा।उल्लेखनीय है कि केजरीवाल सरकार कोरोना के दौरान लोगों की सेवा करते हुए संक्रमित होकर जान गंवाने वाले 30 कोरोना योद्धाओं के परिवार को 1-1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि सौंप चुकी है।

बस स्टैंड पर खड़ी तीन बसों में लगी आग, कंडक्टर की जलकर मौत

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब के बठिंडा के एक बस स्टैंड पर बीती रात भीषण आग लग गई। यहां तीन बसों के जल जाने से एक बस कंडक्टर की मौत हो गई। घटना स्थल पर मौजूद धनौला पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर दर्पण अहलूवालिया ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आकर तीन बसें जलकर खाक हो गई। इस घटना में एक कंडक्टर की मौत हो गई।

पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुट गई है। इस बात का भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं इसमें किसी बाहरी शख्स का तो हाथ नहीं है। शुरुआती जांच में सामन आया है कि दो बसें जैसे ही स्टैंड पर आकर रूकीं तो तुरंत आग लग गई। इसकी चपेट में एक और बस आ गई। जो कंडक्टर बस में बैठा था, उसकी जिंदा जलकर मौत हो गई।

लुधियाना में आग लगने से एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

कुछ दिनों पहले पंजाब के लुधियाना में बिहार के रहने वाले एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई थी। यह परिवार लुधियाना में रहकर मजदूरी करता था। सुबह के वक्त उनकी झोपड़ी में आग लग गई और इसके चलते सभी की जिंदा जलकर मौत हो गई।

लुधियाना ईस्ट के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर सुरिंदर सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग प्रवासी मजदूर थे और सुबह जब अपनी झोपड़ी में सो रहे थे, उसी वक्त आग लग गई। इसके चलते बच निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

एक्शन में राज्यपाल, सीएम हेमंत सोरेन पर संभावित कार्यवाई पर निगाहें, झारखंड का माहौल गर्म

रांची (आरएनएस)। झारखंड का माहौल गर्म है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ ऑफिस ऑफ प्रॉफिट केस में कार्रवाई की सुगबुगाहट के बीच राज्यपाल रमेश बैस गुरुवार को दोपहर बाद रांची लौट आए हैं। इस बीच सीएम हेमंत सोरेन भी किसी अप्रत्याशित कार्रवाई से निपटने के लिए सतर्क हैं।

झारखंड का माहौल गर्म है। सियासत तेजी से रंग बदल रही है। पल-पल बदलते समीकरण पर दिल्ली तक नजरें गड़ाई हुई हैं। यहां कभी भी कोई बड़ा सियासी धमाका हो सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ ऑफिस ऑफ प्रॉफिट

सोरेन के खिलाफ ऑफिस ऑफ प्रॉफिट केस में कार्रवाई की सुगबुगाहट के बीच राज्यपाल रमेश बैस गुरुवार को दोपहर बाद रांची लौट आए हैं। इस बीच सीएम हेमंत सोरेन भी किसी अप्रत्याशित कार्रवाई से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं।

लीज मामले में कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त आधार हैं। बहरहाल उनके रुख पर निगाह लगी हैं। किसी बड़ी कार्रवाई की आशंका में सबकी नजरें राजभवन पर टिक गई हैं। वहीं सत्तारुढ़ दल झामुमो और हेमंत सोरेन सरकार भी आने वाली विपत्ति को लेकर सतर्क है। दिल्ली में बीते दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से राज्यपाल रमेश बैस की मुलाकात के बाद अटकलों का बाजार गर्म है। खासकर तब जब राज्यपाल की ओर से यह कहा गया है कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ खदान लीज मामले में कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मामले में अपने खास लोगों को कानूनी परामर्श लेने का निर्देश दिया है। अनिश्चितता से भरे माहौल से निकालने के लिए नामचीन विधि विशेषज्ञों और बड़े कानूनी एक्सपर्ट से संपर्क किया जा रहा है। ताकि किसी तरह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कुर्सी बचाई जा

एक्सपर्ट से संपर्क किया जा रहा है। ताकि किसी तरह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कुर्सी बचाई जा सके। इधर, झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने कार्यकारी अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ होने वाली किसी भी तरह की कार्रवाई से पहले आज थोड़ी देर में प्रेस वार्ता करने जा रही है।

माना जा रहा है कि इस संवाददाता सम्मेलन में जेएमएम संभावित कार्रवाई के पहले विपक्ष को चेतावनी देते हुए आगे की रणनीति का खुलासा करेगा। इधर झारखंड की सत्ता में भागीदार कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर तेज हो रही

इधर झारखंड की सत्ता में भागीदार कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर तेज हो रही राजनीतिक हलचल के बीच दिल्ली बुलाए गए हैं। वे कांग्रेस हाईकमान को राज्य के ताजा राजनीतिक हालात की जानकारी देंगे।

गडकरी ने हैदराबाद में 8000 करोड़ रुपए मूल्य की 460 किलोमीटर लंबी 12 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं तथा 7 सीआरआईएफ परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सडक़ परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हैदराबाद में 460 किलोमीटर लंबी और 8000 करोड़ रुपए मूल्य की 12 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं तथा 7 सीआईआरएफ परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यमंत्री जनरल वी.के. सिंह, वेमूला प्रशांत रेड्डी, सांसद, विधायक और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 8000 करोड़ रुपए के निवेश की कुल 460 मीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से अंतर राज्य कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा और तेलंगाना से महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की बाधारहित यात्रा हो सकेगी। राजमार्ग विकास से क्षेत्र में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बने अत्याधुनिक और सुरक्षित राजमार्गों के नेटवर्क से हैदराबाद तथा तेलंगाना के लोगों की सामाजिक, आर्थिक समृद्धि पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 17 सांसदों, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री और अधिकारियों के साथ राजस्थान में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन की समीक्षा की

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज जयपुर में राजस्थान के 17 सांसदों और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचईडी) के अधिकारियों के साथ जल जीवन मिशन (जेजेएम) पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य राज्य में मिशन के क्रियान्वयन को गति देना था। सभी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर/ सुपरिंटेंडेन्ट इंजीनियर वर्चुअल माध्यम से हिस्सा ले रहे थे। बैठक राजस्थान पीएचईडी के एसीएस के स्वागत भाषण से शुरू हुई। उसके बाद अपर सचिव और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के निदेशक ने एक संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण दिया, जिसमें मिशन का परिचय तथा राष्ट्रीय औसत के मद्देनजर राजस्थान के विभिन्न जिलों में क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में बताया गया। उन्होंने योजना की स्थिति तथा मिशन के क्रियान्वयन में सांसदों की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी।

दिन भर चलने वाली समीक्षा बैठक में सक्रिय भागीदारी करने पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने राजस्थान के सभी संसदों को धन्यवाद दिया। उन्होंने उनकी चिंताओं और मूल्यवान सुझावों की भी प्रशंसा की, जो सांसदों ने मिशन के क्रियान्वयन को तेज करने के लिये दिये थे। उन्होंने सबको कार्य की गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त किया। जीवन में आमूल बदलाव लाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा किये जाने वाले कामों का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है तथा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि 'कोई भी पीछे न छूट जाये।' उन्होंने राजस्थान जैसे राज्य के संदर्भ में जल जीवन मिशन के महत्व को रेखांकित किया। शेखावत ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी और सशक्तिकरण ही जल जीवन मिशन की आत्मा है, जो उसे सफलता की ओर ले जायेगी। इसलिये, राज्य को स्थानीय ग्रामीण समुदायों को मिशन कार्य में संलग्न करना चाहिये तथा जल जीवन मिशन को 'जन आंदोलन' बनाने के लिये सांसदों की सक्रिय भूमिका भी सुनिश्चित करना चाहिये।

शेखावत ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों से अपील की कि वे नियमित निगरानी और खामियों को दूर करने के उपायों के जरिये काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार द्वारा निधि की कमी नहीं होगी और केंद्र राज्य को पूरा सहयोग देगा, ताकि तय समय सीमा में 'हर घर जल' का लक्ष्य पूरा हो जाये। उन्होंने राज्य पीएचईडी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से आग्रह किया कि राज्य में पेयजल आपूर्ति से जुड़े किसी भी मुद्दे पर वे लोग कभी भी उनसे संपर्क कर सकते हैं।

अंत में उन्होंने पेयजल स्रोत में सुधार की बात की, ताकि ग्रामीण घरों में जलापूर्ति में व्यवधान न आने पाये। उन्होंने एमजीएनआरईजीएस, 15वें वित्त आयोग समर्थित अनुदान, डीएमडीएफ आदि, जैसे स्रोतों को मद्देनजर रखते हुये ग्रामीण स्तर पर विभिन्न योजनाओं की पड़ताल करने पर जोर दिया।